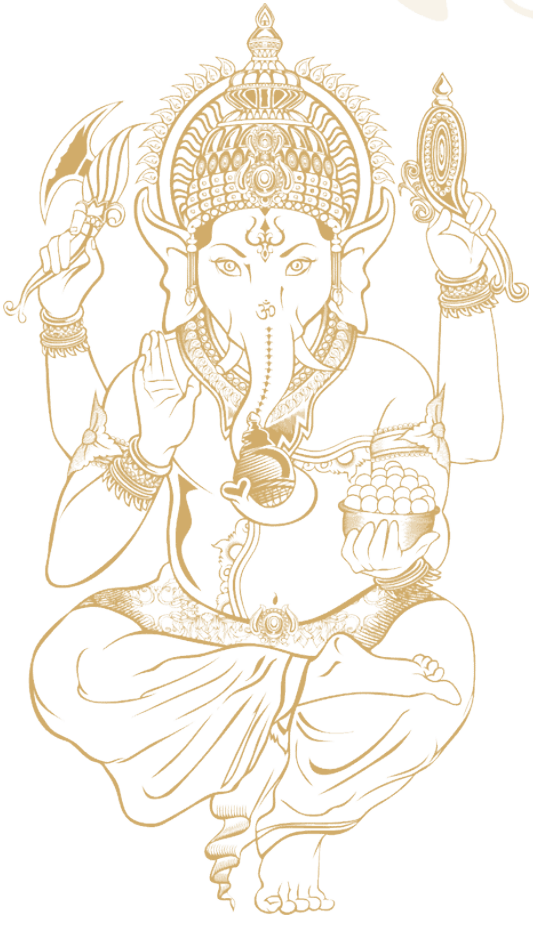

Surendra Sagar

16 Jun 1958

11:15 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121369910

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/06/1958**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:15:00 घंटे**
इष्ट	14:39:54 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:53:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:25 घंटे
साम्पातिक काल	04:29:50 घंटे
सूर्योदय	05:23:02 घंटे
सूर्यास्त	19:20:22 घंटे
दिनमान	13:57:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	01:18:09 मिथुन
लग्न के अंश	16:55:14 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शूल
करण	शकुनि
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	16:55:14	315:15:15	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			मिथु	01:18:09	00:57:19	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	सम राशि
चंद्र			वृष	18:20:14	12:39:46	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
मंगल			मीन	13:05:51	00:42:18	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	मित्र राशि
बुध		अ	वृष	28:15:14	02:11:24	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		कन्या	28:29:19	00:00:31	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	24:09:35	01:09:58	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि	व		वृश्चि	28:58:26	00:04:26	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	06:44:48	00:06:56	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	06:44:48	00:06:56	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कर्क	15:51:33	00:02:53	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	---
नेप	व		तुला	08:55:48	00:00:51	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
प्लूटो			सिंह	06:48:20	00:01:00	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	---
दशम भाव			वृष	15:52:32	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:16:44

लग्न-चलित

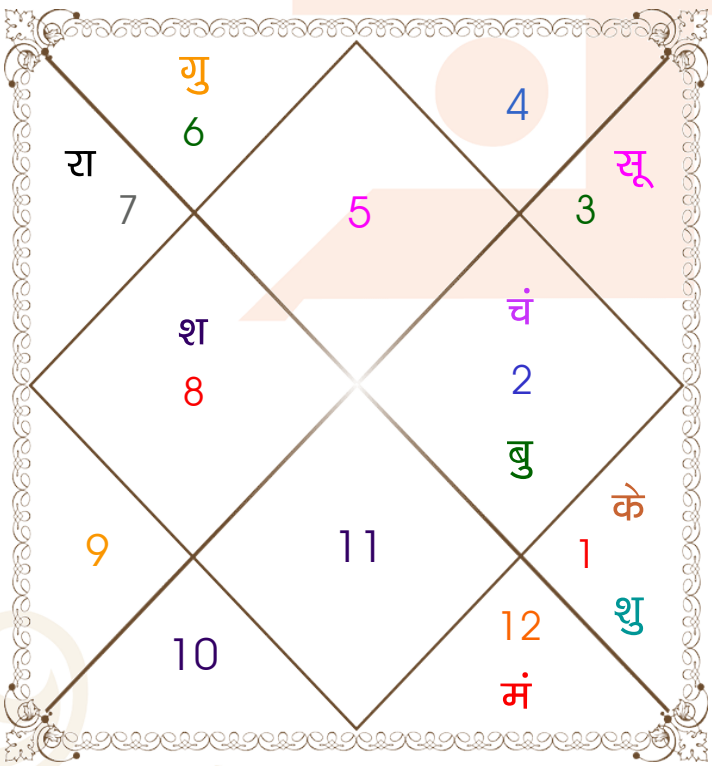

चन्द्र कुंडली

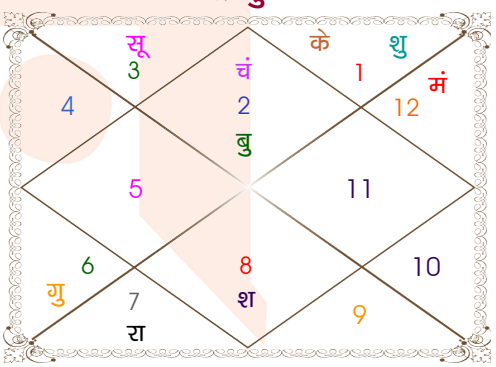

नवमांश कुंडली

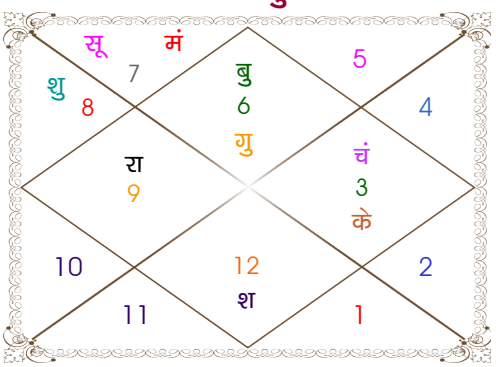

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 8 मास 29 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/06/1958		16/03/1962		15/03/1969		16/03/1987		16/03/2003	
16/03/1962		15/03/1969		16/03/1987		16/03/2003		16/03/2022	
	00/00/0000	मंगल	12/08/1962	राहु	27/11/1971	गुरु	03/05/1989	शनि	19/03/2006
	00/00/0000	राहु	30/08/1963	गुरु	21/04/1974	शनि	14/11/1991	बुध	26/11/2008
	00/00/0000	गुरु	05/08/1964	शनि	25/02/1977	बुध	19/02/1994	केतु	05/01/2010
	00/00/0000	शनि	14/09/1965	बुध	14/09/1979	केतु	26/01/1995	शुक्र	06/03/2013
	16/06/1958	बुध	11/09/1966	केतु	02/10/1980	शुक्र	26/09/1997	सूर्य	16/02/2014
बुध	15/06/1959	केतु	07/02/1967	शुक्र	03/10/1983	सूर्य	15/07/1998	चंद्र	18/09/2015
केतु	14/01/1960	शुक्र	08/04/1968	सूर्य	26/08/1984	चंद्र	14/11/1999	मंगल	26/10/2016
शुक्र	14/09/1961	सूर्य	14/08/1968	चंद्र	25/02/1986	मंगल	20/10/2000	राहु	02/09/2019
सूर्य	16/03/1962	चंद्र	15/03/1969	मंगल	16/03/1987	राहु	16/03/2003	गुरु	16/03/2022

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/03/2022		16/03/2039		16/03/2046		16/03/2066		15/03/2072	
16/03/2039		16/03/2046		16/03/2066		15/03/2072		00/00/0000	
बुध	11/08/2024	केतु	12/08/2039	शुक्र	15/07/2049	सूर्य	03/07/2066	चंद्र	13/01/2073
केतु	08/08/2025	शुक्र	11/10/2040	सूर्य	15/07/2050	चंद्र	02/01/2067	मंगल	15/08/2073
शुक्र	08/06/2028	सूर्य	16/02/2041	चंद्र	15/03/2052	मंगल	10/05/2067	राहु	13/02/2075
सूर्य	15/04/2029	चंद्र	17/09/2041	मंगल	15/05/2053	राहु	02/04/2068	गुरु	14/06/2076
चंद्र	14/09/2030	मंगल	13/02/2042	राहु	15/05/2056	गुरु	20/01/2069	शनि	14/01/2078
मंगल	11/09/2031	राहु	04/03/2043	गुरु	14/01/2059	शनि	02/01/2070	बुध	16/06/2078
राहु	31/03/2034	गुरु	08/02/2044	शनि	16/03/2062	बुध	08/11/2070		00/00/0000
गुरु	06/07/2036	शनि	18/03/2045	बुध	13/01/2065	केतु	16/03/2071		00/00/0000
शनि	16/03/2039	बुध	16/03/2046	केतु	16/03/2066	शुक्र	15/03/2072		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 8 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।